News & Coverage
Media Centre
17th June 2025

यूनीवार्ता
UNIVARTA
Tuesday, Jun 17 2025 | Time 09:32 Hrs(IST)

देश की एकता, अखंडता का सवाल हो तो तथ्यहीन बात नहीं करनी चाहिए: सिन्हा

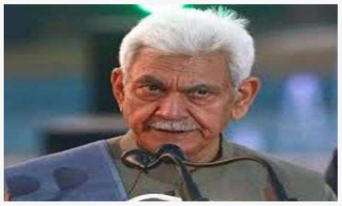

नयी दिल्ली, 16 जून (वार्ता) जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की जनता के आतंकवाद के विरुद्ध खड़े होने को बड़ा बदलाव बताया है और विपक्षी नेताओं को नसीहत दी है कि जब देश की एकता-अखंडता का सवाल हो तो वहां जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, तथ्यहीन बातें नहीं करनी चाहिए।

श्री सिन्हा ने सोमवार को शाम यहां इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी' का विमोचन किया। इस मौके पर चर्चा के एक सत्र के साथ ही, इसी शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित थीं। यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गयी है और इसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 16 से 25 जून 2025 तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुली रहेगी।

चर्चा सत्र के मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने कहा," जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में पांच अगस्त 2019 की तारीख एक महत्वपूर्ण तारीख है, जब जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ पूरी तरह से एकीकृत किया गया। इसी तरह छह जून 2025 की तारीख भी ऐसी ही है। उस दिन जम्मू-कश्मीर भौतिक रूप से देश के साथ एकीकृत हुआ, जब कश्मीर रेलमार्ग के ज़रिये कन्याकुमारी से जुड़ गया। पांच अगस्त और छह जून देश के इतिहास में याद रखे जाने वाले दिन हैं, जिन्होंने इसे संभव बनाया, वे लोग भी याद रखे जायेंगे। पांच अगस्त और छह जून इस जड़ता को दूर करने वाले दिन हैं।"

उन्होंने कहा कि आशीष शर्मा की ये कॉफी टेबल बुक पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आये बदलावों को दिखाती है। ये पुस्तक तथ्यात्मक रूप से निरंतर राज्य में हो रहे बदलावों को प्रस्तुत करती है। "

जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा की चर्चा करते हुये उन्होंने कहा "पहले सुबह उनकी नहीं थी, शाम उनकी नहीं थी। सड़कें उनकी नहीं थीं और कभी-कभी लगता था कि शहर भी उनका नहीं था। अब कश्मीर के लोगों को उनका शहर मिल गया है।" उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार और राज्य प्रशासन की नीति यही है कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता। शांति को स्थापित करना पड़ता है। हम अपने सुरक्षाबलों को कहते हैं, बेगुनाह को छेड़ो मत और गुनाहगार को छोड़ो मत। उन्होंने रेखांकित किया कि सभी मामलों में जम्मू-कश्मीर के विकास में गति आयी है।

आशीष शर्मा ने 2019 के बाद राज्य में जो बदलाव आये हैं, उसे 225 पृष्ठों की पुस्तक में दिखाने का प्रयास किया है।

उन्होंने पहलगाम आतंकवादी घटना के संदर्भ में कहा कि 22 अप्रैल, 2025 की तारीख ऐसी है, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। उस दिन आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया, लेकिन इस घटना के बाद एक महत्वपूर्ण बात हुई। ऐसा पहली बार हुआ कि उस बर्बर घटना के विरोध में जम्मू-कश्मीर के लोग स्वतः स्फूर्त सड़कों पर उतरे।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां देश की एकता-अखंडता का सवाल हो, वहां जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, तथ्यहीन बातें नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर आम आदमी जितना मजबूत होगा, राज्य भी उतना ही मजबूत होगा।

कार्यक्रम में श्री राय ने कहा, "इस पुस्तक का महत्व पहलगाम की घटना के बाद और बढ़ गया है। ये एक फोटो की बड़ी किताब भर नहीं है, बल्कि एक किताब में हज़ारों किताबें छिपी हैं। इसमें बदलते कश्मीर की कहानी है। दुनिया को बताना चाहिए कि कश्मीर बदल गया है, जिन्होंने कश्मीर को बदलने का काम किया है, उनके हाथों किताब का लोकार्पण एक सुखद संयोग है। इस पुस्तक को ई-बुक के रूप में लाना चाहिए। इसे एक छोटी पुस्तक के रूप में भी लाना चाहिए, ताकि यह लाखों लोगों तक पहुंचे।"

श्रीमती लेखी ने कहा, " कश्मीर के साथ हर भारतीय का रिश्ता मन और आत्मा का रिश्ता है, चाहे वह देश के किसी भी कोने में बैठा हो। अनुच्छेद 370 हटने के बाद, जम्मू-कश्मीर में जो बदलाव आया है, वह आशीष शर्मा ने अपनी पुस्तक में दिखाया है। कश्मीर को बदलते हुए मैंने देखा है, अच्छे संदर्भों में भी और बुरे संदर्भों में भी। इस पुस्तक में सबसे अच्छी तस्वीर लाल चौक की है, जिसमें महिलायें रात में वहां सेल्फी ले रही हैं। ये वही लाल चौक है, जहां तिरंगा फहराने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, डॉ मुरली मनोहर जोशी और श्री नरेन्द्र मोदी को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने पुस्तक के बारे में कहा कि पुस्तकें कागज पर लिखी जाती है और कैमरे से खींची तस्वीरें उसमें होती हैं, लेकिन यह पुस्तक कागज पर नहीं, हृदय पर लिखी गयी है। यह एक भावनात्मक यात्रा है, इसमें निजी पीड़ा छिपी हुई है। "

पुस्तक के बारे में लेखक आशीष शर्मा ने कहा, "यह मेरे लिए सिर्फ एक पुस्तक नहीं है, बल्कि उससे बहुत बढ़कर है। यह मेरे लिए एक निजी यात्रा है। यह पुस्तक जम्मू-कश्मीर के लोगों को समर्पित है।"

इस किताब का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के बदलते रूप, उसकी सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक सुंदरता और वहां के लोगों की उम्मीद और जिजीविषा को दिखाना है। लेखक आशीष शर्मा खुद कश्मीरी हैं और उन्होंने दशकों तक संघर्ष, डर और बदलाव को करीब से देखा है। उनकी प्रेरणा अपने घर की असली तस्वीर, उसकी शांति, प्रगति और रंगीन जीवन को दुनिया के सामने लाना था।

तस्वीरों के ज़रिए वे दिखाना चाहते हैं कि कैसे जम्मू-कश्मीर अब सिर्फ संघर्ष नहीं, बल्कि उम्मीद, विकास, स्मार्ट सिटी, कला, हस्तशिल्प और आध्यात्मिकता का भी प्रतीक है। इस किताब में जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहर और छुपे हुए खजाने जैसे अनदेखे गांव, घाटियां और पर्वतों की शानदार तस्वीरें शामिल हैं। इसमें श्रीनगर और जम्मू की स्मार्ट सिटी पहल, नये इंफ्रास्ट्रक्चर, रिवाइटलाइज्ड पब्लिक स्पेसेज़, कश्मीरियत की नयी ऊर्जा, कृषि, हस्तशिल्प, और प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों की झलक मिलती है। किताब में शामिल फोटो सिर्फ जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती ही नहीं, बल्कि उम्मीद, शांति और तरक्की की नयी कहानी को भी दिखाते हैं। यह किताब जम्मू-कश्मीर के जज़्बे और भविष्य को देखती है।

AmarUjala

Delhi News: जम्मू कश्मीर के पूर्ण एकीकरण और विकास का सपना पूरा हो रहा- मनोज सिन्हा

-मनोज सिन्हा ने कहा, अब जम्मू कश्मीर में विकास और काम-काज का हिसाब दोनों हो रहा है

-जम्मू-कश्मीर के एलजी ने आशीष शर्मा की कॉपी टेबल बुक रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर - ए पिक्टोरियल जर्नी का लोकार्पण किया

अमर उजाला ब्यूरो
नई दिल्ली।
जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण और खेती से विकास का सपना पूरा हो रहा है। 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत का अभिन्न अंग बनाया। 6 जून 2025 को रेल नेटवर्क के जरिये जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत से जुड़ गया। पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर तिरंगे के साथ इतिहास रच दिया। ये दोनों तारीखें कश्मीर को जीवनधारा से जोड़ गईं। ये बातें जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कही।

दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के कलानिधि संभाग की ओर से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में एलजी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किताब के चित्रों पर लगी प्रदर्शनी देखी। ये प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 25 जून तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। एलजी ने कहा कि आशीष शर्मा की किताब कश्मीर में बदलाव की कहानी कहती है। इसमें चित्रों के जरिये जम्मू कश्मीर के बदलाव को तथ्यात्मक रूप में जस का तस पेश किया है। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी, कलानिधि के निदेशक डॉ रमेश सी गौड किताब के लेखक आशीष शर्मा शामिल रहे।

अब जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनका शहर मिल गया है

एलजी ने कहा कि घाटी के लोगों को उनका शहर बेगाना लगता था। वहां कब क्या हो जाए, पता नहीं था। लेकिन 58 महीने में उनको उनका शहर वापस दिया है। कश्मीर में खेती से जुड़ी 29 योजनाएं शुरू हुई हैं। नदियां, झीलें साफ हुई हैं। शाम ए कश्मीर की चर्चा चल रही है। पोलो व्यू, अप्सरा मार्केट का नजारा पूरी तरह बदल गया है। झेलम फ्रंट का काम दो महीने में पूरा हो जाएगा। सनसेट प्लाजा, सबेस्टियन पार्क, स्थायी शहरी विकास से जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ रहा है। ई-गवर्नेंस के जरिये 1137 सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। कश्मीर से जम्मू फाइलें नहीं ढोनी पड़तीं। दो एम्स, दो आईआईटी, दो केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्चशिक्षा के कीर्तिमान गढ़ रहे हैं।

सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए हुआ पहलगाम हमला
एलजी ने कहा कि घाटी में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए पहलगाम हमला कराया गया। कश्मीर में अलगाववाद, पत्थरबाजी खत्म हो गया है। ऐसा पहली बार हुआ कि उस बर्बर घटना के विरोध में जम्मू-कश्मीर के लोग खुद से सड़कों पर उतरे। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार और राज्य प्रशासन की नीति यही है कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता। शांति को स्थापित करना पड़ता है। हम अपने सुरक्षाबलों को कहते हैं कि बेगुनाह को छेड़ो मत और गुनाहगार को छोड़ो मत।

ये बदलते कश्मीर की कहानी - रामबहादुर राय
आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा, इस पुस्तक का महत्त्व पहलगाम की घटना के बाद और बढ़ गया है। ये एक फोटो की बड़ी किताब भर नहीं है, बल्कि एक किताब में हजारों किताबें छिपी हैं। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने कहा, कि यह किताब एक भावनात्मक यात्रा है, इसमें निजी पीड़ा छिपी हुई है। लेखक आशीष शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि उनकी निजी यात्रा है।

Political Bazaar

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बोले- बेगुनाह को छेड़ो मत, गुनाहगार को छोड़ो मत

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग द्वारा 16 जून 2025, सोमवार को 'रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी' पुस्तक का विमोचन किया गया और इस पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। साथ ही, इसी शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा थे, जबकि अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित थीं। उद्घाटन संबोधन आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने दिया और स्वागत भाषण एवं परिचय प्रस्तुत किया कलानिधि प्रभाग के प्रमुख एवं डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश चन्द्र गौड़ ने।

Written By : डेस्क | Updated on: June 16, 2025 9:32 pm

यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गई है और इसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 16 से 25 जून 2025 तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। चर्चा सत्र के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, "जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में 5 अगस्त 2019 की तारीख एक महत्त्वपूर्ण तारीख है, जब जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ पूरी तरह से एकीकृत किया गया। इसी तरह 6 जून 2025 की तारीख भी ऐसी ही है।

उस जम्मू-कश्मीर भौतिक रूप से देश के साथ एकीकृत हुआ, जब कश्मीर रेलमार्ग के ज़रिये कन्याकुमारी से जुड़ गया। 5 अगस्त और 6 जून देश के इतिहास में याद रखे जाने वाले दिन हैं। जिन्होंने इसे संभव बनाया, वे लोग भी याद रखे जाएंगे। सात दशकों तक जम्मू-कश्मीर जड़ था। 5 अगस्त और 6 जून इस जड़ता को दूर करने वाले दिन हैं।" उन्होंने आगे कहा कि आशीष शर्मा की ये कॉफी टेबल बुक पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आए बदलावों को दिखाती है। ये पुस्तक तथ्यात्मक रूप से निरंतर राज्य में हो रहे बदलावों को प्रस्तुत करती है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा को बताते हुए उन्होंने कहा "पहले सुबह उनकी नहीं थी, शाम उनकी नहीं थी। सड़कें उनकी नहीं थीं और कभी-कभी लगता था कि शहर भी उनका नहीं था। अब कश्मीर के लोगों को उनका शहर मिल गया है।" उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यह भी कहा, जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार और राज्य प्रशासन की नीति यही है कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता। शांति को स्थापित करना पड़ता है। हम अपने सुरक्षाबलों को कहते हैं, बेगुनाह को छेड़ो मत और गुनाहगार को छोड़ो मत। उन्होंने रेखांकित किया कि सभी मामलों में जम्मू-कश्मीर के विकास में गति आई है। आशीष ने 2019 के बाद राज्य में जो बदलाव आए हैं, उसे 225 पृष्ठों की पुस्तक में दिखाने का प्रयास किया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी घटना के संदर्भ में बात की और कहा कि 22 अप्रैल, 2025 की तारीख ऐसी है, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। उस दिन आतंकियों हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया। लेकिन इस घटना के बाद एक महत्त्वपूर्ण बात हुई। ऐसा पहली बार हुआ कि उस बर्बर घटना के विरोध में जम्मू-कश्मीर के लोग स्वतःस्फूर्त सड़कों पर उतरे। उन्होंने यह भी कहा कि जहां देश की एकता-अखंडता का सवाल हो, वहां जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, तथ्यहीन बातें नहीं करनी चाहिए। अंत में उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर आम आदमी जितना मजबूत होगा, राज्य भी उतना ही मजबूत होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा, इस पुस्तक का महत्त्व पहलगाम की घटना के बाद और बढ़ गया है। ये एक फोटो की बड़ी किताब भर नहीं है, बल्कि एक किताब में हज़ारों किताबें छिपी हैं। इसमें बदलते कश्मीर की कहानी है। दुनिया को बताना चाहिए कि कश्मीर बदल गया है। जिन्होंने कश्मीर को बदलने का काम किया है, उनके हाथों किताब का लोकार्पण एक सुखद संयोग है। इस पुस्तक को ई-बुक के रूप में लाना चाहिए। इसे एक छोटी पुस्तक के रूप में भी लाना चाहिए, ताकि यह लाखों लोगों तक पहुंचे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मीनाक्षी लेखी ने कहा, कश्मीर के साथ हर भारतीय का रिश्ता मन और आत्मा का रिश्ता है, चाहे वह देश के किसी भी कोने में बैठा हो। अनुच्छेद 370 हटने के बाद, जम्मू-कश्मीर में जो बदलाव आया है, वह आशीष जी ने अपनी पुस्तक में दिखाया है। कश्मीर को बदलते हुए मैंने देखा है, अच्छे संदर्भों में भी और बुरे संदर्भों में भी। इस पुस्तक में सबसे अच्छी तस्वीर लाल चौक की है, जिसमें महिलाएं रात में वहां सेल्फी ले रही हैं। ये वही लाल चौक है, जहां तिरंगा फहराने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को, मुरली मनोहर जोशीजी को और नरेंद्र मोदी जी को भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पडा था।

DAINIK INDIA 24X7
खबरें वही जो आपके लिए सही

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पर आधारित फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा की पुस्तक का विमोचन किया

'रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी' पुस्तक का लोकार्पण और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

Dainik India Bureau · 11 hours ago · 2 minutes read

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग द्वारा 16 जून 2025, सोमवार को *'रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी'* पुस्तक का लोकार्पण एवं इस पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इसी शीर्षक से एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जो 16 से 25 जून 2025 तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा थे, जबकि अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्घाटन संबोधन आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने किया

तथा स्वागत भाषण एवं परिचय कलानिधि प्रभाग के प्रमुख प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने प्रस्तुत किया।

यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गई है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गई है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 5 अगस्त 2019 और 6 जून 2025 की ऐतिहासिक तिथियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वो दिन हैं जब जम्मू-कश्मीर ने भारत के साथ पूरी तरह एकीकरण का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक बीते पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में हुए बदलावों की साक्ष्य आधारित प्रस्तुति है। उन्होंने पहलगाम आतंकी घटना (22 अप्रैल 2025) की चर्चा करते हुए कहा कि पहली बार स्थानीय लोगों ने स्वतःस्फूर्त होकर आतंकी हिंसा का विरोध किया, जो राज्य में बदलती सोच का प्रमाण है।

आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि यह पुस्तक सिर्फ एक फोटोग्राफिक एल्बम नहीं, बल्कि बदलते कश्मीर की गाथा है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस पुस्तक को ई-बुक और एक संक्षिप्त संस्करण में भी प्रकाशित किया जाए ताकि यह अधिक लोगों तक पहुंचे।

विशिष्ट अतिथि मीनाक्षी लेखी ने कहा कि कश्मीर भारत के हर नागरिक से आत्मिक रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इस पुस्तक में प्रकाशित लाल चौक की उस तस्वीर का विशेष उल्लेख किया जिसमें महिलाएं रात में सेल्फी लेती नजर आ रही हैं – यह बदलते कश्मीर की प्रतीकात्मक तस्वीर है।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इस पुस्तक को "**कागज पर नहीं, हृदय पर लिखी गई पुस्तक**" बताते हुए इसे एक भावनात्मक यात्रा करार दिया। लेखक आशीष शर्मा ने इसे अपनी व्यक्तिगत यात्रा और जम्मू-कश्मीर के लोगों को समर्पित बताया।

पुस्तक का सार

'रिइमैजिनिंग जम्मू ऐंड कश्मीर पुस्तक का उद्देश्य राज्य के बदलते स्वरूप, उसकी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करना है। लेखक स्वयं कश्मीरी हैं और उन्होंने दशकों तक संघर्ष व बदलावों को करीब से देखा है। इस कॉफी टेबल बुक में श्रीनगर और जम्मू की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, आधुनिक अवसंरचना, कृषि, हस्तशिल्प, पुनर्जीवित सार्वजनिक स्थल, कश्मीरियत की नई ऊर्जा और प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों की मनमोहक झलक मिलती है।

Government of India
Press Information Bureau

"The People of Kashmir Have Reclaimed Their Space and Spirit": Manoj Sinha

Launch of the Book 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey'

Exhibition of 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' Organised

Posted On: 16 JUN 2025 9:30PM by PIB Delhi

Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), under the aegis of the Ministry of Culture, Government of India, hosted a book launch and photo exhibition titled 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' by noted photojournalist Shri Ashish Sharma, published by Bloomsbury. Organised by the Kala Nidhi Division of IGNCA, the event took place on 16th June 2025 at Samvet Auditorium, IGNCA, New Delhi, and brought together esteemed dignitaries, scholars, and cultural practitioners in celebration of the visual narrative and evolving identity of Jammu & Kashmir.

The event was graced by Shri Manoj Sinha, Lieutenant Governor of the Union Territory of Jammu & Kashmir, as the Chief Guest, and Smt. Meenakshi Lekhi, former Minister of State for Culture and External Affairs, as Guest of Honour. Shri Ram Bahadur Rai, President, IGNCA Trust, chaired the session, while the opening address was delivered by Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA. The welcome and introduction was presented by Prof. (Dr.) Ramesh C. Gaur, Director and Head, Kala Nidhi Division, IGNCA. The accompanying photo exhibition remains on display from 16th to 25th June 2025 at Darshanam–I Exhibition Hall, IGNCA.

In his address, Shri Manoj Sinha, Lieutenant Governor of Jammu and Kashmir, emphasized two historic dates 5th August 2019 and 6th June 2025, as defining moments in the region's integration and transformation. The former, marking the abrogation of Article 370, and the latter, the day a train from Kanyakumari to Kashmir was flagged off by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, signify the end of decades-long stagnation and the beginning of a new era of connectivity and development. He reflected that both dates would be remembered and recorded in the nation's history, along with the people who made them possible. Citing the ninth chapter of Reimagining Jammu & Kashmir, which captures the Chenab Bridge- now linking Kashmir to Kanyakumari- Shri Sinha highlighted the state's journey from inertia to progress. He reiterated that a region left static for seven decades is now witnessing unprecedented momentum across sectors. The 225-page coffee table book, completed in 2024 well before the general elections, documents this transformation in a factual and evocative manner.

'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey', he said, "is an act of visual imagination that reflects a deeply changed reality." Reflecting on the earlier hardships of the people of the region, he stated that there was once a time when "mornings were not theirs, nor were the evenings; the roads didn't belong to them, and at times, even the cities felt distant. Today, the people of Kashmir have reclaimed their space and spirit." He reaffirmed the government's approach, stressing that peace cannot be bought—it must be established—and recalled the directive to security forces: "Do not trouble the innocent; do not spare the guilty." He also referred to the tragic Pahalgam attack of 22nd April 2025, noting that it would remain etched in the nation's memory. He remarked that for the first time, the people of Jammu and Kashmir spontaneously came out in protest against such brutality-an unprecedented expression of collective will.

Commenting on Ashish Sharma's photographic work, he noted, "I have felt his hard work." He emphasised that the book goes beyond scenic representation to capture the evolving ethos and expressions of the land. Describing books as documentation of an era, he concluded that 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' offers a compelling portrait of transformation and that as the common citizen becomes stronger, so too will the state.

Presiding over the event, IGNCA Chairman Shri Ram Bahadur Rai remarked that the significance of this book has increased even more in the aftermath of the Pahalgam incident. He noted that this is not merely a large-format photo book; rather, it contains within it thousands of untold stories. It narrates the transformation of Kashmir—a story that the world needs to hear. "The fact that the book has been launched by those who played a vital role in Kashmir's transformation is a happy coincidence," he said. He further suggested that the book should also be made available as an e-book, and published in a smaller edition so that it may reach millions of people.

As the Guest of Honour, Meenakashi Lekhi observed that every Indian shares a bond of mind and soul with Kashmir, regardless of which corner of the country they may live in. She said that the changes witnessed in Jammu and Kashmir since the abrogation of Article 370 have been effectively captured by Ashish Sharma in this book. "I have seen Kashmir transform," she said, "both in good times and difficult ones." She particularly highlighted the image of Lal Chowk featured in the book—showing women taking selfies there at night. "This is the same Lal Chowk," she recalled, "where hoisting the national flag once proved to be a formidable challenge for Dr. Syama Prasad Mookerjee, Shri Murli Manohar Joshi, and even Shri Narendra Modi."

In his opening remarks, Dr. Sachchidanand Joshi described Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' as an emotional journey, it is not a book written on paper, but on the heart, with ink drawn from pain, joy, prosperity, and celebration. More than a photo collection it reflects the ethos and legacy of the land, capturing not only scenic beauty but the depth of human experience. He emphasised that the book goes beyond showcasing development to document a century-long cultural journey. Calling Kashmir a land of divinity and heritage, he said it was a privilege for IGNCA to host the launch. He concluded that every image tells a story, revealing new dimensions of Jammu and Kashmir and reflecting the broader journey of Bharat.

ThePrint

August 5, June 6 will be remembered as 'physical and emotional unification' of J-K with India: Sinha

New Delhi, Jun 16 (PTI) Lieutenant Governor of Jammu and Kashmir Manoj Sinha on Monday said that two dates June 6, 2025, and August 5, 2019, will hold historical significance in the region's integration with the rest of India, marking it as "physical and emotional unification".

Speaking at the launch of photojournalist Ashish Sharma's new coffee table book, Reimagining Jammu and Kashmir: A Pictorial Journey, Sinha said the two dates would play a pivotal role in restoring an "unbroken flow of life" to the Union Territory, which had remained "stagnant for the past seven decades." Addressing a packed hall at Indira Gandhi National Centre for Arts (IGNCA), Sinha drew a parallel between the abrogation of Article 370 on August 5, 2019, and the completion of the Kashmir-to-Kanyakumari railway link on June 6, 2025.

"August 5 will always be remembered as the day Jammu and Kashmir were fully integrated constitutionally. Likewise, June 6 will be remembered for the physical unification — when the last link in the Kashmir-Kanyakumari railway corridor was completed," he said.

On June 6, Prime Minister Narendra Modi unfurled the national tricolour on the Chenab Bridge, the world's highest railway arch bridge, connecting the northernmost stretch of India's national railway network.

He also shared the update on X and said, "Delighted to launch 'Reimagining Jammu & Kashmir' a coffee table book by Photojournalist Ashish Sharma. Under leadership of Hon'ble PM Sh Narendra Modi Ji, J&K has regained its identity of 'Paradise' post 2019 & Ashish's watchful photographic journey captures that transformation." The LG, in his address, highlighted the efforts made by the J-K administration, under the guidance of Prime Minister Modi, to build not "temporary" but a lasting peace in the Union Territory.

He emphasised that his guiding principle, which he has also communicated to the security forces in the Valley, is "Begunah ko chedna nahi, aur gunheghar ko chodna nahi" (the innocent should not be harassed, and the guilty should not be spared).

"Our mission and vision should be the same, centred around the common man... and if we follow this principle, the common man will also stand with us," he explained.

While acknowledging that Pakistan continues to engage in nefarious activities, including the Pahalgam attack on April 22, Sinha stressed that separatism, stone-pelting, and shutdowns have become things of the past in the Valley.

Sinha claimed that the number of locally recruited terrorists has dropped to its lowest ever at just eight.

"Only eight local terrorists are currently active in J-K. Yes, Pakistan has been sending infiltrators from outside, which led to incidents like the Pahalgham attack," he added.

On the occasion, Sinha also lauded the efforts of Ashish Sharma behind the coffee table book, which he noted remarkably showcases J-K's extraordinary journey and unprecedented growth across all sectors.

"Books are documents of the time, especially coffee table books present progress through captivating photographs. We can see J-K is on the move through Ashish's camera," he concluded.

He asserted that J-K's industries, start-ups and agriculture sectors have witnessed "rapid growth" over the five successive years.

"Youth are fulfilling their dreams through entrepreneurship & around one million availed opportunity of self-employment within 4 yrs & it has been ensured that no section of society is left behind," he added in his post.

Former union minister Meenakshi Lekhi and IGNCA president Ram Bahadur Rai were among the eminent personalities present at the book launch.

Jammu & Kashmir's Historic Milestones: Unifying the Region

Lieutenant Governor Manoj Sinha emphasizes the historic significance of June 6, 2025, and August 5, 2019, in integrating Jammu and Kashmir with India. During the launch of a new book, he discusses the region's journey towards peace, progress, and its decreasing separatist activities.

The Lieutenant Governor of Jammu and Kashmir, Manoj Sinha, marked two pivotal dates, June 6, 2025, and August 5, 2019, as historically significant for the region's integration with India. Speaking at a book launch, he called these dates milestones in Jammu and Kashmir's 'physical and emotional unification'.

During the event at the Indira Gandhi National Centre for Arts, Sinha lauded efforts leading to the current peaceful state of the area. He compared the 2019 abrogation of Article 370 to the forthcoming completion of the Kashmir-Kanyakumari railway link in 2025, highlighting the transformative impact on the Union Territory.

The NEWS NOW

August 5, June 6 will always be remembered in J&K's history: LG

Web Editor June 17, 2025 0 67

Share on Facebook | Share on Twitter

Jammu: Lieutenant Governor of Jammu and Kashmir, Manoj Sinha, said that August 5 and June 6 will always be remembered as historic days in J&K's journey — one marking complete integration and the other symbolizing a physical and emotional connection from Kashmir to Kanyakumari.

He made these remarks while launching the coffee table book "Reimagining Jammu & Kashmir" by renowned photojournalist Ashish Sharma, at an event held at the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) in New Delhi.

"The abrogation of Article 370 on August 5, 2019 laid the foundation for a new, united, and progressive Jammu and Kashmir, ending decades of isolation and discrimination," the Lieutenant Governor said. "And on June 6, 2025, the region was physically connected with the rest of the country — from Kashmir to Kanyakumari — symbolizing national integration in its truest sense."

The Lieutenant Governor commended Ashish Sharma for documenting this transformation through powerful visuals and narratives that reflect the unprecedented progress across sectors in Jammu and Kashmir.

"Under the leadership of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi, J&K has truly regained its identity as the 'Paradise on Earth'. This coffee table book is not just a collection of photographs — it's a visual testimony of peace, development, and people-first governance," Sinha added.

Highlighting his administration's efforts post-2019, the LG said the government has worked on the core pillars of Peace, Progress, Prosperity, and People First, ensuring that development reaches the last mile. "Our youth are embracing entrepreneurship, nearly one million have benefitted from self-employment initiatives in just four years," he noted.

He also spoke about the revival of the nightlife in the Kashmir valley, the rejuvenation of lakes and rivers, booming sectors like agriculture and startups, and the inclusive urban transformation of cities with a focus on sustainability and quality living.

Calling out divisive voices, the LG cautioned against attempts to derail peace and progress. "Some are spreading fear and misinformation for political gains. Let them do politics, but not at the cost of national unity and integrity," he asserted.

The event was attended by prominent dignitaries including former Union Minister Meenakshi Lekhi, IGNCA President Ram Bahadur Rai, Member Secretary Dr. Sachchidanand Joshi, and Director of Kala Nidhi Prof. Ramesh C. Gaur, along with civil society members and journalists.

The coffee table book Reimagining Jammu & Kashmir is being seen as a visual chronicle of change — from conflict to confidence, from isolation to integration.

Oneindia

जम्मू और कश्मीर का एकीकरण: 5 अगस्त और 6 जून महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण

By **Oneindia Staff** | Updated: Tuesday, June 17, 2025, 1:11 [IST]

FOLLOW ON Google News

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल, मनोज सिन्हा ने दो महत्वपूर्ण तारीखों, 6 जून, 2025 और 5 अगस्त, 2019 को क्षेत्र के भारत के साथ एकीकरण में महत्वपूर्ण बताया। आशीष शर्मा की कॉफी टेबल बुक, "Reimagining Jammu and Kashmir: A Pictorial Journey" के लॉन्च पर बोलते हुए, सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में निरंतरता बहाल करने में इन तारीखों की भूमिका पर जोर दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, सिन्हा ने 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की तुलना 6 जून, 2025 को कश्मीर से कन्याकुमारी रेलवे लिंक के पूरा होने से की। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त ने जम्मू और कश्मीर के पूर्ण संवैधानिक एकीकरण को चिह्नित किया, जबकि 6 जून ने रेलवे कॉरिडोर के पूरा होने के साथ भौतिक एकीकरण का प्रतीक है।

6 जून को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज, चेनाब ब्रिज पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जो भारत के सबसे उत्तरी रेलवे नेटवर्क को जोड़ता है। सिन्हा ने X पर यह अपडेट साझा किया, शर्मा की पुस्तक लॉन्च करने पर खुशी व्यक्त की और मोदी के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर के परिवर्तन पर प्रकाश डाला।

सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा बलों के लिए अपने मार्गदर्शक सिद्धांत को दोहराया: "बेगुनाह को छेड़ना नहीं, और गुनहेगार को छोड़ना नहीं" - जिसका अर्थ है कि निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सिद्धांत के साथ मिशनों को संरेखित करने से सार्वजनिक समर्थन मिलेगा।

पाकिस्तान से लगातार चुनौतियों के बावजूद, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में एक हमला भी शामिल है, सिन्हा ने पत्थरबाजी और बंद जैसी अलगाववादी गतिविधियों में गिरावट दर्ज की। उन्होंने बताया कि स्थानीय रूप से भर्ती किए गए आतंकवादियों में केवल आठ व्यक्तियों की महत्वपूर्ण गिरावट आई है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान से घुसपैठ के प्रयासों को जारी रखने की बात स्वीकार की।

सिन्हा ने आशीष शर्मा के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने एक ऐसी पुस्तक बनाई है जो जम्मू और कश्मीर की असाधारण यात्रा और विभिन्न क्षेत्रों में विकास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कॉफी टेबल पुस्तकें मनमोहक तस्वीरों के माध्यम से प्रगति का दस्तावेजीकरण करती हैं, जो जम्मू-कश्मीर के गतिशील विकास को प्रदर्शित करती हैं।

उपराज्यपाल ने पांच वर्षों में उद्योगों, स्टार्ट-अप और कृषि में तेजी से विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि लगभग दस लाख युवाओं ने चार वर्षों के भीतर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त किए हैं, जिससे पूरे समाज में समावेशिता सुनिश्चित हुई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी और IGNCA के अध्यक्ष राम बहादुर राय पुस्तक लॉन्च में उपस्थित लोगों में शामिल थे। ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित, "Reimagining Jammu and Kashmir" 2,999 रुपये की कीमत वाली 226 पृष्ठों की पुस्तक है। यह क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और विकसित हो रहे वर्तमान का जश्न मनाती है। एक साथ फोटो प्रदर्शनी IGNCA की दर्शनम-I गैलरी में 16-25 जून तक प्रदर्शित की जा रही है।

DAILYEXCELSIOR.COM

LG launches Ashish Sharma's coffee table book 'Reimagining Jammu & Kashmir'

By **Daily Excelsior** - June 17, 2025

SRINAGAR, June 16: Lieutenant Governor Manoj Sinha today launched the 'Reimagining Jammu & Kashmir', a coffee table book by Photojournalist Ashish Sharma, at New Delhi.

In his address, the Lieutenant Governor commended the Photojournalist Ashish Sharma for factually presenting the continuous changes taking place in Jammu and Kashmir and development in various sectors since abrogation of Article 370 in August 2019.

"Under leadership of Prime Minister Narendra Modi J&K has regained its identity of 'Paradise' post 2019 and Ashish Sharma's watchful photographic journey captures that transformation," LG said.

In the history of J&K, 5 August and 6 June will always be remembered. While abrogation of Article 370 on 5 August 2019 paved the way for J&K's complete integration, 6 June physically connected Kashmir to Kanyakumari and its citizens' aspirations with national mainstream.

"This coffee table book is an attempt to present before the nation the transformation that has taken place in Jammu and Kashmir in the last five years," the Lieutenant Governor said.

The Lieutenant Governor, in his address, highlighted the efforts made by the J&K Administration, under the guidance of the Prime Minister, to build a Jammu and Kashmir, which is free from all kinds of discrimination, fear and insecurity.

"My message from day one was very clear – we do not believe in buying peace but want to establish peace. I had given another vision to the security agencies – do not harass the innocent, do not spare the guilty," LG said.

"The administration has been successful to a large extent in realising the vision of 4 Ps – Peace, Progress, Prosperity and People First. Our infrastructure has transformed at an unprecedented pace and economy is showing impressive growth," the Lieutenant Governor said.

The Lieutenant Governor reiterated that the administration, while transforming urban landscape and developing our cities, has paid special attention to facilities, sustainability and quality living for the common citizens.

"Nightlife for any city is not just a clock but a symbol of the liveliness and the cities of Kashmir valley have regained their vibrancy now. Jammu and Kashmir's relationship with lakes and rivers has been revived after decades," he added.

"Our industry, Startups and Agriculture sectors witnessed rapid growth over 5 successive years. Youth are fulfilling their dreams through entrepreneurship and around one million availed the opportunity of self-employment within 4 years and it has been ensured that no section of society is left behind," he further said.

The Lieutenant Governor also lauded the significant efforts behind the coffee table book, which remarkably showcases J&K's extraordinary journey and unprecedented growth across all sectors.

The Lieutenant Governor also cautioned the people against the fear mongers who are making misleading statements, without any substance, and threatening the peace.

"People should do their politics but not at the cost of unity and integrity of our great nation," the Lieutenant Governor said.

Meenakshi Lekhi, former Union Minister of State; Ram Bahadur Rai, President IGNCA; Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA; Prof. Ramesh C. Gaur, Director & Head, Kala Nidhi, IGNCA and prominent citizens from all walks of life were present.

LAKE City Times DAILY
The Torch Bearer of Truth
NEWS POLITICS BUSINESS HEALTH EDIT-OPED TOURISM

Under PM's leadership J&K regained identity of 'Paradise': Manoj Sinha

Srinagar, Jun 16: Lieutenant Governor Manoj Sinha Monday launched the 'Reimagining Jammu & Kashmir', a coffee table book by Photojournalist Ashish Sharma, at New Delhi.

In his address, the Lieutenant Governor commended the Photojournalist Ashish Sharma for factually presenting the continuous changes taking place in Jammu and Kashmir and development in various sectors since abrogation of Article 370 in August 2019.

"Under leadership of Prime Minister Narendra Modi J&K has regained its identity of 'Paradise' post 2019 and Ashish Sharma's watchful photographic journey captures that transformation.

In the history of J&K, 5 August and 6 June will always be remembered. While abrogation of Article 370 on 5 August 2019 paved the way for J&K's complete integration, 6 June physically connected Kashmir to Kanyakumari and its citizens' aspirations with national mainstream.

This coffee table book is an attempt to present before the nation the transformation that has taken place in Jammu and Kashmir in the last five years," the Lieutenant Governor said.

The Lieutenant Governor, in his address, highlighted the efforts made by the J&K Administration, under the guidance of the Hon'ble Prime Minister, to build a Jammu and Kashmir, which is free from all kinds of discrimination, fear and insecurity.

"My message from day one was very clear – we do not believe in buying peace but want to establish peace. I had given another vision to the security agencies – do not harass the innocent, do not spare the guilty.

The administration has been successful to a large extent in realising the vision of 4 Ps – Peace, Progress, Prosperity and People First. Our infrastructure has transformed at an unprecedented pace and economy is showing impressive growth," the Lieutenant Governor said.

The Lieutenant Governor reiterated that the administration, while transforming urban landscape and developing our cities, has paid special attention to facilities, sustainability and quality living for the common citizens.

"Nightlife for any city is not just a clock but a symbol of the liveliness and the cities of Kashmir valley have regained their vibrancy now. Jammu and Kashmir's relationship with lakes and rivers has been revived after decades.

Our industry, Startups and Agriculture sectors witnessed rapid growth over 5 successive years. Youth are fulfilling their dreams through entrepreneurship and around one million availed the opportunity of self-employment within 4 years and it has been ensured that no section of society is left behind," he further said.

The Lieutenant Governor also lauded the significant efforts behind the coffee table book, which remarkably showcases J&K's extraordinary journey and unprecedented growth across all sectors.

Books are documents of time, especially coffee table books present progress through captivating photographs. We can see J&K is on the move through Ashish's Camera, he said.

The Lieutenant Governor also cautioned the people against the fear mongers who are making misleading statements, without any substance, and threatening the peace.

"People should do their politics but not at the cost of unity and integrity of our great nation," the Lieutenant Governor said.

Meenakshi Lekhi, former Union Minister of State; Ram Bahadur Rai, President IGNCA; Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA; Prof. Ramesh C. Gaur, Director & Head, Kala Nidhi, IGNCA and prominent citizens from all walks of life were present.

BRIGHTER KASHMIR
06-17-2025

Admin successful in realising vision of 4 Ps: Sinha

· *We don't believe in buying peace but want to establish peace.*
· *August 5 & June 6 will always be remembered in J&K history*

· *Launches Ashish's Coffee Table Book 'Reimagining Jammu & Kashmir' in Delhi*

Lieutenant Governor Manoj Sinha on Monday launched the 'Reimagining Jammu & Kashmir', a coffee table book by Photojournalist Ashish Sharma, at New Delhi.

In his address, Sinha commended the photojournalist Ashish Sharma for factually presenting the continuous changes taking place in Jammu and Kashmir and development in various sectors since abrogation of Article 370 in August 2019.

"Under leadership of Prime Minister Narendra Modi J&K has regained its identity of 'Paradise' post 2019 and Ashish Sharma's watchful photographic journey captures that transformation. In the history of J&K, 5 August and 6 June will always be remembered. While abrogation of Article 370 on 5 August 2019 paved the way for J&K's complete integration, 6 June physically connected Kashmir to Kanyakumari and its citizens' aspirations with national mainstream," he said.

This coffee table book, he said, is an attempt to present before the nation the transformation that has taken place in Jammu and Kashmir in the last five years.

Sinha highlighted the efforts made by the J&K Administration, under the guidance of the Prime Minister, to build a Jammu and Kashmir, which is free from all kinds of discrimination, fear and insecurity.

"My message from day one was very clear – we do not believe in buying peace but want to establish peace. I had given another vision to the security agencies – do not harass the innocent, do not spare the guilty. The administration has been successful to a large extent in realising the vision of 4 Ps – Peace, Progress, Prosperity and People First. Our infrastructure has transformed at an unprecedented pace and the economy is showing impressive growth," he said.

The Lieutenant Governor reiterated that the administration, while transforming urban landscape and developing our cities, has paid special attention to facilities, sustainability and quality living for the common citizens.

"Nightlife for any city is not just a clock but a symbol of the liveliness and the cities of Kashmir valley have regained their vibrancy now. Jammu and Kashmir's relationship with lakes and rivers has been revived after decades. Our industry, Startups and Agriculture sectors witnessed rapid growth over 5 successive years. Youth are fulfilling their dreams through entrepreneurship and around one million availed the opportunity of self-employment within 4 years and it has been ensured that no section of society is left behind," he further said.

Sinha lauded significant efforts behind the coffee table book, which remarkably showcases J&K's extraordinary journey and unprecedented growth across all sectors.

Books are documents of time, especially coffee table books present progress through captivating photographs. We can see J&K is on the move through Ashish's Camera, he said.

Sinha also cautioned people against the fear mongers who are making misleading statements, without any substance, and threatening the peace.

"People should do their politics but not at the cost of unity and integrity of our great nation," the Lieutenant Governor said.

Ms. Meenakshi Lekhi, former Union Minister of State; Ram Bahadur Rai, President IGNCA; Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA; Prof. Ramesh C. Gaur, Director & Head, Kala Nidhi, IGNCA and prominent citizens from all walks of life were present.

AmarUjala

जम्मू कश्मीर के पूर्ण एकीकरण और विकास का सपना पूरा हो रहा : मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल ने कहा, अब जम्मू कश्मीर में विकास और काम-काज का हिसाब हो रहा है

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण और खेती से विकास का सपना पूरा हो रहा है। 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत का अभिन्न अंग बनाया। 6 जून 2025 को रेल नेटवर्क के जरिये जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत से जुड़ गया।

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर तिरंगे के साथ इतिहास रच दिया। ये दोनों तारीखें कश्मीर को जीवनधारा से जोड़ गईं। ये बातें जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहीं। दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के कलानिधि संभाग की ओर से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में एलजी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किताब के चित्रों पर लगी प्रदर्शनी देखी। ये प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 25 जून तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी।

रीइमेजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर: ए पिक्टोरियल जर्नी पुस्तक लॉन्च करते उपराज्यपाल। अमर उजाला

एलजी ने कहा कि आशीष शर्मा की किताब कश्मीर में बदलाव की कहानी कहती है। इसमें चित्रों के जरिये जम्मू कश्मीर के बदलाव को तथ्यात्मक रूप में जस का तस पेश किया है। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी, कलानिधि के निदेशक डॉ रमेश सी गौड किताब के लेखक आशीष शर्मा शामिल रहे।

सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए हुआ पहलगाम हमला

एलजी ने कहा कि घाटी में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए पहलगाम हमला कराया गया। कश्मीर में अलगाववाद, पत्थरबाजी खत्म हो गया है। ऐसा पहली बार हुआ कि उस बर्बर घटना के विरोध में जम्मू-कश्मीर के लोग खुद से सड़कों पर उतरे। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार और राज्य प्रशासन की नीति रही है कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता। शांति को स्थापित करना पड़ता है।

ये बदलते कश्मीर की कहानी : रामबहादुर राय

आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा, इस पुस्तक का महत्त्व पहलगाम की घटना के बाद और बढ़ गया है। ये एक फोटो की बड़ी किताब भर नहीं है, बल्कि एक किताब में हजारों किताबें छिपी हैं। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने कहा, कि यह किताब एक भावनात्मक यात्रा है, इसमें निजी पीड़ा छिपी हुई है। लेखक आशीष शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि उनकी निजी यात्रा है।

अब जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनका शहर मिल गया है

एलजी ने कहा कि घाटी के लोगों को उनका शहर बेगाना लगता था। यहां कब क्या हो जाए, पता नहीं था। लेकिन 58 महीने में उनको उनका शहर वापस दिया है। कश्मीर में खेती से जुड़ी 29 योजनाएं शुरू हुई हैं। [illegible] कश्मीर की चर्चा चल रही है। [illegible] पूरा हो जाएगा। [illegible] जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ रहा है। ई-गवर्नेंस के जरिये 1137 सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। कश्मीर से जम्मू फाइलें नहीं ढोनी पड़तीं।

Punjab Kesari

दिल्ली की हलचल

'बेगुनाह को छेड़ो मत, गुनाहगार को छोड़ो मत'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वह अपने सुरक्षाबलों से हमेशा कहते हैं कि बेगुनाह को छेड़ो मत और गुनहगार को छोड़ो मत। यह बात उन्होंने सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग द्वारा आयोजित 'रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी' पुस्तक के विमोचन समारोह में कही। इस अवसर पर एक भव्य फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा थे, जबकि अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित रहीं। उद्घाटन संबोधन आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने दिया, वहीं स्वागत भाषण और पुस्तक का परिचय कलानिधि प्रभाग के प्रमुख एवं डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने प्रस्तुत किया। यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गई है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को सुंदर चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। यह प्रदर्शनी 16 से 25 जून 2025 तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

Hindustan

राष्ट्रीय कला केंद्र में पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में सोमवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर : ए पिक्टोरियल जर्नी पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर एक फोटो प्रदर्शनी भी शुरू हुई, जो 25 जून तक चलेगी। फोटोजर्नलिस्ट आशीष शर्मा की लिखी हुई इस किताब में जम्मू-कश्मीर की बदलती तस्वीर को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

Hindustan Times

Inch by inch: Restoring Delhi's lost blueprint

Wilson Survey maps, a century-old cartographic masterpiece, is being revived at a conservation lab at IGNCA—one brittle sheet at a time

Paras Singh

NEW DELHI: Tucked away on the second floor of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) at Janpath, a quiet but meticulous effort is underway. In a state-of-the-art, climate-controlled conservation lab, a team of experts is painstakingly restoring over a century of history—one fragile sheet of map at a time.

These are the so-called Wilson Survey maps — delicate records from the colonial era that captured the walled city of Shahjahanabad in remarkable detail. Faded contours and brittle paper, marked with aging ink, reveal not just topography but a map of lost wells, forgotten streets, and the shifting outlines of a city at the cusp of modernity.

Between 1860 and 1862, British surveyor AJ Wilson was commissioned by the Survey of India and the erstwhile municipal committee—now the Municipal Corporation of Delhi (MCD)—to conduct a comprehensive survey of the city. The administration, in its early years, sought better tools to manage land, taxation, and governance within Shahjahanabad's labyrinthine bounds. Wilson set out with a plane table, alidade, and tripod to survey each kuncha, every building, drain, well, and street, from the Red Fort to the hills of Paharganj.

Conservators at Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) work on preserving detailed maps of Shahjahanabad made by British surveyor AJ Wilson. RAJ KAMAT PHOTO

A senior MCD official said that Wilson's 250-sheet survey formed the first truly comprehensive map of Delhi. "There was an earlier survey done in 1873, but it was rudimentary. The administration needed something more precise and detailed. Wilson was paid ₹550 a month at the time, which would amount to roughly ₹28 lakh in today's value," the official said.

Each sheet, measuring 2.5 feet by 3 feet, was scaled meticulously and numbered with references to adjoining panels—effectively providing a satellite-like view of the city, nearly half a century before mankind would take a photo from space. Known as the "Wilson Survey Report 1910-12", the compilation included both maps and associated explanatory reports and continues to be known for its precision and accuracy even today.

More than a hundred years later, these maps are getting a new lease of life. MCD's heritage cell is working with experts from IGNCA to restore the original sheets, most of which were in an advanced state of decay when the project began. "We've already restored over 110 sheets, which have been handed back to the MCD. The remaining maps will be completed over the next six months," the official said.

A lab resurrecting the past

When IGNCA first received the maps, the condition was dire. Poor storage had taken a toll; corners had crumbled, the paper had yellowed, and the ink had begun to fade. "Each material—canvas, muslin, paper—requires its own treatment. But our approach was minimal intervention. The aim is to conserve, not alter. It's like treating a patient—you diagnose and treat carefully," said Dr Achol Pandya, professor and head of the Conservation and Cultural Archives Division at IGNCA.

The lab received a variety of archival materials from the municipality, including portraits, drawings, and survey records, all to be restored as part of a broader collaboration to establish a municipal museum. But it is the Wilson Survey maps that have proven the most labour-intensive—and rewarding.

Saroj Kumar Pandey, a conservator working on the project, said that each map takes him between three and four days to restore. "We carried out preventive conservation with minimal use of chemicals. The base is usually made of muslin or canvas, with a thin tissue layer on top. Missing parts are filled in with Japanese rice paper. We use gluten-free starch as an adhesive—it's gentle and reversible."

His team documented every stage of the process. "Each sheet gets a condition assessment report. We assign an accession number, note the type and strength of paper, creases, colour changes, and ink bleeding. Everything is photographed before and after," he said.

His assistant Ashutosh explained how ink signatures were stabilised using chemicals, especially where water damage was a concern.

"Each stain tells a different story—some were caused by spilled ink, others by old adhesives. Tape glue was removed using carbon tetrachloride. Even the way the paper curled told us how it had been stored," he added.

After treatment, the maps are mounted on Mellinex polyester sheets.

The maps are being parsed out of records millions of colonial-era files stored by the Municipal Corporation of Delhi (MCD). RAJ KAMAT PHOTO

Mending is done to restore symmetry, and missing parts are "filled", using a base of treated rice paper to provide strength to the map sheet.

Finally, each sheet is pressed between layers of cotton cloth. "Once the entire process is over, these maps will be ready to survive another hundred years," Pandey said.

A window into Shahjahanabad

The Wilson Survey maps offer a rare, almost forensic view of the Walled City before it was transformed by waves of modernisation. The maps show the location of the original Kotwali (police station), once situated between Gurdwara Sis Ganj Sahib and Sunehri Masjid. They capture the layout of the palaces of Begum Samru—now Bhagirathi Palace—and mark the old wells of the city such as Chah Indara and Chah Rahat, once fitted with Persian-style water wheels.

"This was the first detailed documentation of the city's physical landscape," said another senior MCD official. "Chah in Persian means well. The walled city was full of them, though most have been filled in now. But many localities still bear their names."

Sanjay Bhargava, head of the Chandni Chowk Sarv Vyapar Mandal, remembers the old Kotwali building vividly. "We grew up near that space. The police station used to stand right there, between the gurdwara and the mosque. The Wilson Survey is the only authentic document that shows how the city originally looked, complete with its wells and chabutras. Even during Metro excavation, they had to carry out surveys because of all the old wells," he said.

The survey, however, has not always had an easy custodial journey. In 2021, Delhi Archives attempted unsuccessfully to acquire the report. For years, the maps sat in municipal storage, weathering the bureaucracy. Some parts were obtained through RTI applications—occasionally to prove land encroachments. "These maps were once the authorised reference for city planning," said an official. "Every drainage system, every alley, every plot was marked."

A new home in an old city

Now, these once-forgotten sheets are headed for a more permanent and public home. The restored maps will be showcased in the "Maps and Surveys" section of a new municipal museum being developed in the Old Press Building of the Town Hall complex, in partnership with IGNCA and the Aga Khan Foundation.

"The museum will have 10 thematic galleries," said an MCD official. "There will be sections for municipal artifacts—old wall clocks, memorabilia, paintings, abhinandan patras, even fabric relics. One gallery will focus entirely on historical maps and survey documents."

The idea is to trace the evolution of Delhi's civic administration and urban planning over the past 160 years. The Wilson Survey maps, in particular, are expected to be a centrepiece.

"This isn't just about cartography," said Bhargava. "This is about collective memory."

As Delhi spreads outward, these carefully restored sheets remain a reminder of a time when the city was walked, drawn, measured, and mapped by hand. A time when wells lent names to neighbourhoods, streets told vivid stories, and a surveyor's pen engraved it all—inch by ink-stained inch.

News X

The People Of Kashmir Have Reclaimed Their Space And Spirit: Manoj Sinha

IGNCA launched Ashish Sharma's photo book 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' in New Delhi. The event featured LG Manoj Sinha and Meenakshi Lekhi, highlighting J&K's transformation since Article 370's abrogation. The exhibition runs until June 25 at IGNCA's Darshanam–I Hall.

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), under the aegis of the Ministry of Culture, Government of India, hosted a book launch and photo exhibition titled 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' by noted photojournalist Ashish Sharma, published by Bloomsbury.

Organised by the Kala Nidhi Division of IGNCA, the event took place on 16th June 2025 at Samvet Auditorium, IGNCA, New Delhi, and brought together esteemed dignitaries, scholars, and cultural practitioners in celebration of the visual narrative and evolving identity of Jammu & Kashmir.

The event was graced by Jammu Kashmir LG Manoj Sinha, as the Chief Guest, and Meenakshi Lekhi, former Minister of State for Culture and External Affairs, as Guest of Honour. Ram Bahadur Rai, President, IGNCA Trust, chaired the session, while the opening address was delivered by Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA. The welcome and introduction was presented by Prof. (Dr.) Ramesh C. Gaur, Director and Head, Kala Nidhi Division, IGNCA. The accompanying photo exhibition remains on display from 16th to 25th June 2025 at Darshanam–I Exhibition Hall, IGNCA.

In his address, Manoj Sinha, Lieutenant Governor of Jammu and Kashmir, emphasized two historic dates 5th August 2019 and 6th June 2025; as defining moments in the region's integration and transformation. The former, marking the abrogation of Article 370, and the latter, the day a train from Kanyakumari to Kashmir was flagged off by Prime Minister Narendra Modi, signify the end of decades-long stagnation and the beginning of a new era of connectivity and development. He reflected that both dates would be remembered and recorded in the nation's history, along with the people who made them possible.

Citing the ninth chapter of Reimagining Jammu & Kashmir, which captures the Chenab Bridge- now linking Kashmir to Kanyakumari- Sinha highlighted the state's journey from inertia to progress. He reiterated that a region left static for seven decades is now witnessing unprecedented momentum across sectors. The 225-page coffee table book, completed in 2024 well before the general elections, documents this transformation in a factual and evocative manner.

'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey', he said, "is an act of visual imagination that reflects a deeply changed reality." Reflecting on the earlier hardships of the people of the region, he stated that there was once a time when "mornings were not theirs, nor were the evenings; the roads didn't belong to them, and at times, even the cities felt distant. Today, the people of Kashmir have reclaimed their space and spirit." He reaffirmed the government's approach, stressing that peace cannot be bought—it must be established—and recalled the directive to security forces: "Do not trouble the innocent; do not spare the guilty." He also referred to the tragic Pahalgam attack of 22nd April 2025, noting that it would remain etched in the nation's memory. He remarked that for the first time, the people of Jammu and Kashmir spontaneously came out in protest against such brutality-an unprecedented expression of collective will.

Commenting on Ashish Sharma's photographic work, he noted, "I have felt his hard work." He emphasised that the book goes beyond scenic representation to capture the evolving ethos and expressions of the land. Describing books as documentation of an era, he concluded that 'Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' offers a compelling portrait of transformation and that as the common citizen becomes stronger, so too will the state.

Presiding over the event, IGNCA Chairman Shri Ram Bahadur Rai remarked that the significance of this book has increased even more in the aftermath of the Pahalgam incident. He noted that this is not merely a large-format photo book; rather, it contains within it thousands of untold stories. It narrates the transformation of Kashmir—a story that the world needs to hear. "The fact that the book has been launched by those who played a vital role in Kashmir's transformation is a happy coincidence," he said. He further suggested that the book should also be made available as an e-book, and published in a smaller edition so that it may reach millions of people.

As the Guest of Honour, Meenakashi Lekhi observed that every Indian shares a bond of mind and soul with Kashmir, regardless of which corner of the country they may live in. She said that the changes witnessed in Jammu and Kashmir since the abrogation of Article 370 have been effectively captured by Ashish Sharma in this book. "I have seen Kashmir transform," she said, "both in good times and difficult ones." She particularly highlighted the image of Lal Chowk featured in the book—showing women taking selfies there at night. "This is the same Lal Chowk," she recalled, "where hoisting the national flag once proved to be a formidable challenge for Dr. Syama Prasad Mookerjee, Shri Murli Manohar Joshi, and even Shri Narendra Modi."

In his opening remarks, Dr. Sachchidanand Joshi described Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey' as an emotional journey, it is not a book written on paper, but on the heart, with ink drawn from pain, joy, prosperity, and celebration. More than a photo collection it reflects the ethos and legacy of the land, capturing not only scenic beauty but the depth of human experience. He emphasised that the book goes beyond showcasing development to document a century-long cultural journey. Calling Kashmir a land of divinity and heritage, he said it was a privilege for IGNCA to host the launch. He concluded that every image tells a story, revealing new dimensions of Jammu and Kashmir and reflecting the broader journey of Bharat.

In his welcome address, Prof. (Dr.) R.C. Gaur spoke of the IGNCA Book Circle, through which culturally significant works are launched, and thanked Shri Ashish Sharma for choosing the Centre to release Reimagining Jammu & Kashmir: A Pictorial Journey'. He highlighted IGNCA's contribution to the inscription of the Śrīmad Bhagavad Gītā in the Śāradā script, closely associated with Kashmir, and its role in the UNESCO Memory of the World programme on the works of Kashmiri philosopher Abhinavagupta. He also reflected on the region's deep spiritual heritage and its people's enduring philosophical traditions.

About the Book

The purpose of this book is to portray the changing landscape of Jammu and Kashmir—its cultural heritage, natural beauty, and the resilience and hope of its people. The author, Ashish Sharma, is himself a native of Kashmir and has witnessed decades of struggle, fear, and transformation up close. His inspiration was to present to the world the true image of his homeland—its peace, progress, and vibrant life.

Through photographs, he seeks to show that Jammu and Kashmir today is not only a land of past conflict but also a symbol of hope, development, smart cities, art, handicrafts, and spirituality. The book includes breathtaking visuals of the region's natural beauty, historical heritage, and hidden treasures such as remote villages, valleys, and majestic mountains. It features glimpses of smart city initiatives in Srinagar and Jammu, new infrastructure, revitalised public spaces, the renewed spirit of Kashmiriyat, agriculture, crafts, and key spiritual sites. The photographs in the book do more than just showcase the beauty of Jammu and Kashmir- they narrate a new story of hope, peace, and progress. This book is a celebration of the spirit and future of Jammu and Kashmir. Through this significant event, art lovers, researchers, and the general public were offered an opportunity to engage with the many facets and lived experiences of Jammu and Kashmir.

Hindustan

'रेणु' को बताई हिरामन ने अपनी तीन कसमें

फणीश्वर नाथ 'रेणु' को अपने आंचलिक उपन्यास 'मैला आंचल' से हिंदी साहित्यिक जगत में अभूतपूर्व ख्याति मिली। उन्हें प्रेमचंद के कद का उपन्यासकार और 'मैला आंचल' को 'गोदान' के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ उपन्यास कहा गया। अपने लेखन के जरिये आंचलिक जीवन को साहित्य में प्रतिष्ठित करनेवाले 'रेणु' पर हाल ही में आई पुस्तक 'फणीश्वरनाथ 'रेणु' : समय, साहित्य और समाज के शिल्पी' से प्रस्तुत है एक संपादित अंश...

पुस्तक अंश

कालो बाबू को रेणु ने एक बार बताया था कि यह गांव कैनेडी पहाड़ी की क्रोड में बसा है, इसलिए इसका नाम कोर्स पड़ा होगा। एक दिन सुशील राय चौधरी से वे बात कर रहे थे कि अचानक उनकी नजर हिरामन पर पड़ी। वे उसके पास गए और उससे हिलमिलकर बात करने लगे। इतने प्यार से, सम्मान से भला और कौन इस साधारण आदमी से बात कर सकता था।

रेणु ने हिरामन महतो से पूछा- "पेड़-पौधों की देखभाल के अलावा और कोई काम आता है?" उसने कहा कि तीन काम छोड़कर मैं बहुत तरह के काम कर सकता हूं।

तब रेणु की दिलचस्पी बहुत बढ़ गई। उन्होंने पूछा कि वे तीन काम कौन-से हैं, जिसे तुम नहीं कर सकते हो?

उसने कहा, "रेणुबाबू, वे तीनों काम भी मैं कर सकता हूं, लेकिन मैंने कसम खाई है कि वे तीन काम नहीं करना है, क्योंकि इन्हें करने पर लफड़ा है, परेशानी है।"

तब रेणु ने पूछा, "कौन-कौन-सी कसमें तुमने खायी हैं?"

हिरामन ने बताया, "पहली कसम यह है कि कभी झूठ नहीं बोलूंगा। वह गाना है न, सजनरे झूठ मत बोलो! खुदा के पास जाना है।... झूठ बोलने से लोक तो बिगड़ता ही है, परलोक भी बिगड़ जाता है।"

यह सुनकर रेणु खिलखिलाने लगे। हिरामन ने तब कहा, "रेणु बाबू, आपकी आवाज तो हू-ब-हू फेनूगिलासी है।"

रेणु ने पूछा, "यह फेनूगिलासी क्या होता है?" "अच्छा आप नहीं जानते? चलिए दिखाता हूं।" वह रेणु को कमरे में ले गया और ग्रामोफोन को दिखाकर कहा, "यही तो फेनूगिलास है।"

रेणु ने समझा। शब्द-निर्माण की प्रक्रिया को तो वे जानते ही थे।

वे समझ गए कि फोन कैसे फेनू हो गया और ग्रामो गिलास। फिर उन्होंने पूछा, "और तुमने दूसरी कसम कौन-सी खायी है?

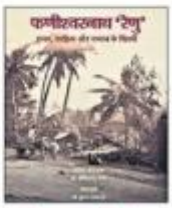

फणीश्वरनाथ 'रेणु'
समय, साहित्य और समाज के शिल्पी
प्रधान संपादक : डॉ. सच्चिदानंद जोशी
संपादक : डॉ. कुमार संजय झा
प्रकाशक : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, मूल्य : ₹ 900

उसने कहा, "कभी चोरी नहीं करनी है।"

रेणु ने कहा, "तुम्हारी दोनों कसमें तो एक अच्छे आदमी की पहचान हैं। तुम असली आदमी हो, जो झूठ नहीं बोलता और चोरी नहीं करता, वही सच्चा और ईमानदार है। लेकिन तुम्हारी तीसरी कसम कौन-सी है?"

उसने कहा, "पराई नारी को जिंदगीभर बुरी नजर से नहीं देखना ही मेरी तीसरी कसम है।"

तीसरी कसम तो लाजवाब थी। रेणु सुनकर निहाल हो गए। हिरामन का रेणु की मधुर बातें सुनकर इस्स करना, कभी 'इस-बिस' करना, कान पुनियाकर गप सुनना, हैरुवाली बात, टैम-फैल-लैट, फटफटीया, खलाया आदि शब्द इसी हिरामन से रेणु ने सीखे थे और उससे पूछकर अपनी नोटबुक में अर्थ भी लिखा था। उन्होंने अपने नोटबुक में लिखा- 'जा रे जमाना' का मतलब यह है कि वह पुराने जमाने की बात थी, जो चली गई या गुजर गई। उस जमाने की अद्भुत-अपूर्व बातें, जो अब नहीं घटित होने वाली। इसलिए जा रे जमाना! यानी गुजर चुका समय।

आपका अख़बार

F3 | भारत

बिखरते परिवारों पर लेखन के दौर में मालती जोशी ने परिवार जोड़ने की बात की

आपका अखबार ब्यूरो।

'पद्म श्री' मालती जोशी (4 जून 1934 – 15 मई 2024) उन साहित्यकारों में से थीं, जिन्होंने धारा के विपरीत लिखने का साहस किया। जब साहित्य में सम्बंधों में बिखराव, अलगाव, निराशा, हताशा की कहानियों का दौर चलन में था और पारिवारिक मूल्यों का ह्रास सहज ही देखने को मिल रहा था, तब मालती जी ने परिवार को केन्द्र में रखकर कहानियां कहीं। अपनी बात स्पष्टता और दृढ़ता से कहते हुए उन्होंने सामाजिक व्यवस्था पर सवाल भी उठाए, लेकिन भारतीय मूल्यों को कभी छोड़ा नहीं। उन्होंने लगभग 60 पुस्तकों की रचना की। वह मराठी और हिन्दी साहित्य जगत में समान रूप से समादृत थीं।

उनकी कहानियों में भारतीय मध्यवर्ग का जीवन अपनी संपूर्णता में प्रकट हुआ है। उनकी कहानियों का कथ्य, उनके पात्र आम आदमी को अपने-से लगते हैं। लगता है कि ये कहानियां और इनमें उपस्थित पात्र अपने आसपास के ही हैं। उनकी कहानियों में सामान्य तौर पर स्त्रियां केन्द्रबिन्दु में हैं, लेकिन उनकी स्त्री दृष्टि पूरी तरह से भारतीय है, पश्चिम से प्रभावित नहीं है।

मालती जी को उनके 91वें जन्मदिन पर याद करते हुए इंदौर के जाल सभागृह में दो दिवसीय आत्मीय साहित्यिक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मालती जी के सुपुत्रों- ऋषिकेश और सच्चिदानंद जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर साहित्य, कला और सामाजिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियां उपस्थित थी। दिन और स्थान दोनों का चयन महत्वपूर्ण था, क्योंकि 4 जून को मालती जी का जन्मदिन था और इंदौर शहर से उन्हें विशेष लगाव था। इसी अवसर पर मालती जी की स्मृतियों पर आधारित पुस्तक 'स्मृति कल्प' का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम की रूपरेखा मालती जी के छोटे सुपुत्र डॉ सच्चिदानंद जोशी, जो इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव और जाने माने साहित्यकार हैं, ने बनाई और उसे मूर्तरूप दिया जोशी परिवार और इंदौर के साहित्यकारों, रंगकर्मियों और मित्र-परिवार ने। दोनों ही दिन के कार्यक्रम मालती जी के साहित्य पर केन्द्रित थे।

पहले दिन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और लगातार आठ बार इंदौर की सांसद रहीं सुमित्रा ताई महाजन। विशेष अतिथि थे प्रख्यात पत्रकार और कवि प्रो, सरोज कुमार और वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकांत नगर। स्वागत और आयोजन की भूमिका बांधी मालती के बड़े पुत्र ऋषिकेश जोशी ने। उन्होंने मालती जी की स्मृति में ट्रस्ट की स्थापना की भी घोषणा की।

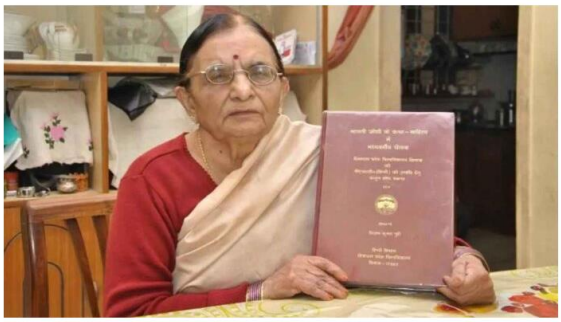

मालती जी के अनुज श्री चंद्रशेखर दिघे ने भी अपने संस्मरण सुनाए। तीन प्रतिष्ठित साहित्यकारों- सुश्री अनीता सक्सेना, सुश्री अनीता सिंह और श्री संजय पटेल ने मालती जी की कथाओं का पाठ कर 'कथा कथन' की मालती जी की परम्परा को आगे बढ़ाया। ख्यातनाम रंगकर्मी श्रीराम जोग के निर्देशन में नाट्य भारती, इंदौर के कलाकारों ने मालती जी की दो कथाओं का मंचन किया, जो श्रोताओं के लिए अनूठा अनुभव था। ज्ञात हो कि मालती जी अपनी कहानियों का पाठ बिना देखे करके श्रोताओं को चमत्कृत कर देती थीं।

दूसरे दिन, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक और मीडिया गुरु के रूप में विख्यात प्रो संजय द्विवेदी। विशेष अतिथि थीं वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक निर्मला भुराड़िया और कथाकार ज्योति जैन। स्वागत वक्तव्य और मालती जी के कृतित्व पर प्रकाश डाला मालती जी के छोटे पुत्र सच्चिदानंद जोशी ने। उन्होंने मालती जी के साथ के अपने कुछ नायब, अनसुने अनुभव भी साझा किए।

तीन प्रतिष्ठित साहित्यकारों, कलाकारों श्री संतोष मोहंती, सुश्री अर्चना मंडलोई और श्री मिलिंद देशपांडे ने मालती जी की कथाओं का 'कथा कथन' किया। ख्यातनाम रंगकर्मी और फिल्म कलाकार विवेक सावरीकर के निर्देशन में रंग मोहिनी, भोपाल के कलाकारों ने मालती जी की दो कथाओं का मंचन किया। यह भी एकदम अलग तरह की प्रस्तुति थी। ख्यातिलब्ध अभिनेता ज्योति सावरीकर ने अपने अभिनय से मालती को सजीव कर दिया। लगभग तीन सौ की क्षमता वाला 'जाल सभागृह' दोनों ही दिन हॉल पूरा भरा था, जो मालती जी के प्रति उनके पाठकों के प्रेम को दर्शाता है।

धन्यवाद देने का काम मालती जी की दोनों बहुओं- मालविका और अर्चना जोशी ने किया। कार्यक्रम का संचालन शांतनु जोशी ने किया। मालती जी की कविताओं का सुरीला गायन तन्वी जोशी ने किया। दुष्यंत जोशी ने मालती जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें मालती जी के सादगी भरे जीवन की बानगी प्रस्तुत की गई थी।